

सीबीएसई कक्षा 11 हिन्दी
सत्र 2016-17 (आधार) (SA-2)

निर्देश:-

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (8)

विश्व के प्रायः सभी धर्मों में अहिंसा के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। भारत के सनातन हिंदू धर्म और जैन धर्म के सभी ग्रन्थों में अहिंसा की विशेष प्रशंसा की गई है। 'अष्टांग योग' के प्रवर्तक पतंजलि ऋषि ने योग ने योग के आठों अंगों में प्रथम अंग 'यम' के अंतर्गत 'अहिंसा' को प्रथम स्थान दिया है। इसी प्रकार 'गीता' में भी अहिंसा के महत्व पर जगह-जगह प्रकाश डाला गया है। भगवान महावीर ने अपनी शिक्षाओं का मूलाधार अहिंसा को बताते हुए 'जियो और जीने दो' की बात कही है। अहिंसा मात्र हिंसा का अभाव ही नहीं, अपितु किसी भी जीव का संकल्पपूर्वक वध नहीं करना और किसी जीव या प्राणी को अकारण दुःख नहीं पहुँचाना है। ऐसी जीवन-शैली अपनाने का नाम ही 'अहिंसात्मक जीवन-शैली' है। अकारण या बात बात में क्रोध आ जाना हिंसा की प्रवृत्ति का एक प्रारंभिक रूप है। क्रोध मनुष्य को अंधा बना देता है; वह उसकी बुद्धि का नाश कर उसे अनुचित कार्य करने को प्रेरित करता है, परिणामतः दूसरी को दुःख और पीड़ा पहुँचाने का कारण बनता है। सभी प्राणी मेरे लिए मित्रवत् हैं। मेरा किसी से भी बैर नहीं है, ऐसा भावना होने पर अहं जनित क्रोध समाप्त हो जाएगा और हमारे मन में क्षमा का भाव पैदा होगा। क्षमा का यह उदात्त भाव हमें हमारे परिवार से सामंजस्य करने व पारस्परिक प्रेम को बढ़ावा देने में अहम् भूमिका निभाता है। हमें ईर्ष्या तथा द्वेष रहित होकर लोभवृत्ति का त्याग करते हुए संयमित खान-पान तथा व्यवहार एवं क्षमा की भावना को जीवन में उचित स्थान देते हुए अहिंसा का एक ऐसा जीवन जीना है कि हमारी जीवन-शैली एक अनुकरणीय आदर्श बन जाए।

1. भारतीय धर्मों में अहिंसा का क्या महत्व बताया गया है? (2)
2. अहिंसात्मक जीवन-शैली से लेखक का क्या अभिप्राय है? (2)
3. क्रोध का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? (1)
4. क्षमा का भाव पारिवारिक जीवन में क्या परिवर्तन ला सकता है? (1)
5. 'इक' प्रत्यय से बने दो शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। (1)
6. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×5=5)

मत काटो तुम ये पेड़
हैं ये लज्जावसन
इस माँ वसुन्धरा के।
इस संहार के बाद
अशोक की तरह

सचमुच तुम बहुत पछताओगे
बालो फिर किसकी गोद में
सिर छिपाओगे?
शीतल छाया
फिर कहाँ से पाओगे?
कहाँ से पाओगे फिर फल?
कहाँ से मिलेगा
सस्य-श्यामला को
सींचने वाला जल?
रेगिस्तानों में
तब्दील हो जाएँगे खेत
बरसेंगे कहाँ से
उमड़-घुमड़कर बादल?
थके हुए मुसाफिर
पाएँगे कहाँ से
श्रमहारी छाया?

1. कवि अशोक की तरह पछताने की बात क्यों करता है?
 2. पेड़ों को लज्जावसन क्यों कहा गया है?
 3. पेड़ कटने से क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा?
 4. खेत कौन-सा रूप धारण कर लेंगे?
 5. मुसाफिर किस चीज से वंचित हो जाएँगे?
3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए- (7)
1. मन के हारे हार है, मन के जीते जीत
 2. भारत के विकास में नारी की भूमिका
 3. हमारे बिखरते परिवार
 4. आतंकवाद की ओर बढ़ता युवा वर्ग
4. अपने मोहल्ले के उपेक्षित पार्क के समुचित रखरखाव की व्यवस्था करने के लिए निगम आयुक्त का ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए। (4)

अथवा

दिल्ली में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×5=5)
1. अंतःव्यैक्तिक संचार से आप क्या समझते हैं?

2. जनसंचार माध्यमों के संदर्भ में द्वापरपाल से क्या अभिप्राय है?
3. भारत में टेलीविजन सेवा की शुरुआत कब हुई?
4. समाचार के मुख्य तत्व कौन-कौन-से हैं?
5. एक सफल पत्रकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
6. संचार क्या है? संचार की प्रक्रिया में संचार के तत्वों की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (4)

अथवा

पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या दीजिए- (6)

साँसनि ही साँ समीर गयो अरु, आँसुन ही सब नीर गयो ढरि।
तेज गयो गुन लै अपनी, अरु भूमि गई तन की तनुता करि।
‘देव’ जियै मिलिबेही की आस कि, आसहू पास अकास रह्यो भरि।
जा दिन तै मुख फेरि हरै हँसि, हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि।

अथवा

सिमटा पंख साँझ की लाली
जा बैठी अब तरु शिखरों पर
ताम्रपर्ण पीपल से, शतमुख
झरते चंचल स्वर्णिम निर्झर !
ज्योति स्तंभ-सा धँस सरिता में
सूर्य क्षितिज पर होता ओझल,
वृहद् जिह्वा विशलथ केंचुल-सा
लगता चितकबरा गंगाजल !

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (3+3=6)

1. इस देश में अनेक धर्म, जाति, मजहब और संप्रदाय के लोग रहते हैं, किंतु कबीर हिंदू और मुसलमान की ही बात क्यों करते हैं?
2. ‘गिरधर नार नवावति’ से सखी का क्या आशय है?
3. होली के अवसर पर सारा गोकुल गाँव किस प्रकार रंगों के सागर में डूब जाता है? पद के आधार पर लिखिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यांशों को काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए- (2+2=4)

1. अन्न न भावै नींद न आवै, गृह-बन धरै न धीर रे।
कामिन की है बालम प्यारा, ज्यों प्यासे की नीर रे।
2. आँख खोली देखौं तौ न घन हैं, ने घनश्याम,
वेई छाई बूँदै मेरे आँसु है दृगन में।
3. और रस औरै रीति औरै राग औरै रंग,
औरै तन औरै मन औरै बन है गए॥

10. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (4)

वह चार-पाँच साल का गरीब-सूरत, दुबला-पतला लड़का, जिसका बाप गत वर्ष हैजे की भेंट हो गया और माँ न जाने क्यों पीली होती-होती एक दिन मर गई। किसी को पता न चला, क्या बीमारी है। कहती तो कौन सुनने वाला था। दिल पर जो कुछ बीतती थी, वह दिल में ही सहती थी और जब न सहा गया तो संसार से विदा हो गई। अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोद में सोता है और उतना ही प्रसन्न है। उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। बहुत-सी थैलियाँ लेकर आएँगे। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बड़ी अच्छी-अच्छी चीजें लाने गई हैं; इसलिए हामिद प्रसन्न है। आशा तो बड़ी चीज है, और फिर बच्चों की आशा! उनकी कल्पना तो राई का पर्वत बना लेती है।

अथवा

मैंने कहा- "तुम कुछ भी कहलाओं, बेचते तुम टार्च हो। तुम्हारे और मेरे प्रवचन एक जैसे हैं हैं। चाहे कोई दार्शनिक बने संत बने या साधु बने, अगर वह लोगों को अँधेरे का डर दिखाता है, तो जरूर अपनी कंपनी का टार्च बेचना चाहता है। तुम जैसे लोगों के लिए हमेशा ही अंधकार छाया रहता है। बताओ, तुम्हारे जैसे किसी आदमी ने हजारों में कभी भी यह कहा है कि आज दुनिया में प्रकाश फैला है? कभी नहीं कहा। क्यों? इसलिए कि उन्हें अपनी कंपनी का टार्च बेचना है। मैं खुद भर-दोपहर में लोगों से कहता हूँ कि अंधकार छाया है। बता किस कंपनी का टार्च बेचता है?"

11. निम्न में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (3+3=6)

1. रामचंद्र, मोहन और मुंशी जी खाते समय रोटी न लेने के लिए बहाने करते हैं, उसमें कैसी विवशता है? स्पष्ट कीजिए।
2. 'गूँगे' कहानी के आधार पर गूँगे के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।
3. स्त्री-समानता को प्रतिष्ठित करने के लिए ज्योतिबा फुले के अनुसार क्या-क्या होना चाहिए?

12. 'प्रेमचंद' अथवा 'रांगेय राघव' का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों एवं साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (4)

अथवा

'सूरदास' अथवा 'पद्माकार' का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. सरकार की वैधानिक चेतावनी और बड़े-बुजुर्गों की मनाही के बावजूद लोग सिगरेट पीते हैं। क्या यह उचित है? अपने विचार व्यक्त कीजिए। (4)

14. निम्न में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4+4=8)

1. "पराया घर तो लगता ही है, भाभी" - अपनी भाभी-भाई के कमरे में श्याम को पराएपन का अहसास क्यों होता है?
2. एकांकी के आधार पर वीना के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।
3. राधा 'चंद्रकांता' जैसी पुस्तकें छिपकर क्यों पढ़ती है?